गुजरात के औद्योगिक एककों द्वारा फैलाया गया प्रदूषण

775. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात के बड़ौदा–अंकलेश्वर–वापी तथा वलसाड़–भावनगर क्षेत्रों में स्थित उद्योगों, विशेषतया रासायनिक तथा उर्वरक उद्योगों द्वारा बहुत खतरनाक सीमा तक प्रदूषण फैलाया जाता है तथा प्रदूषण-निवारण से संबंधित सभी नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या कार्यवाही किये जाने का विचार है ?

पर्यावरण और वन मंत्री (श्री जैड० आर० अन्सारी) : (क) और (ख) जी, नहीं । फिर भी इन क्षेत्रों में प्रदूषण नयंत्रण के लिए कार्रवाई की गई है । इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :—

(1) एक निश्चित समयावधि में प्रदूषण नियंत्रण उपायों को अपनाने के लिए उद्योगो को सशर्त सहमति जारी की जाती है ।

(2) प्रदूषण फैलाने वाले बड़े उद्योगों के लिए मानक निर्धारित किए गए, हैं ।

(3) राज्य सरकार ने उद्योगों में सुरक्षा उपायों के निरीक्षण के लिए प्रत्येक बल और एक अधिकार प्राप्त समिति की नियुक्ति की है ।

(4) संबंधित उद्योगों का संकट योजना तैयार करनी होती है ।

(5) जिला कलेक्टरों ने रसायनिक उद्योगों में आपातकालिक परिस्थितियो से निपटने के लिए ऑफ साइट कार्य योजनाएं तैयार की है ।

(6) इण्डियन पेट्रोकेमिकल लिमिटेड जैसे बड़े औद्योगिक इकाइयों के पास सम्भावित दुर्घटनाओं के बचाव के लिए अपनीसंकट प्रबंध याजनाएं हैं ।

(7) अधिक दोषी उद्योगो के खिलाफ मुकदमें चलाए गए हैं ।

(8) पर्यावरज (सुरक्षा) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने पांच उद्योगो को बन्द करने के आदेश जारी किए हैं ।

पुरस्कारों तथा पदकों आदि पर राजभाषा में अभिलेख

776. **श्री मीर्जा उर्शादबेग** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न मंत्रालयों द्वारा प्रदान किये जा रहे पुरस्कारो, सराहना प्रमाण-पत्रो तथा सरकारी पदकों पर राजभाषा का प्रयोग करने के बारे में स्थिति क्या है ; और

(ख) क्या इस संबंध में उचित आदेश जारी किए जायेंगे ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे अनेक पुरस्कारो, प्रमाण-पत्रों तथा पदकों पर राजभाषा हिन्दी का प्रयोग किया जाता है । कुछ पुरस्कारो इत्यादि में हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं अथवा केवल अंग्रेजी का प्रयोग हो रहा है ।

(ख) उपर्युक्त अभिप्राय के लिए राजभाषा के प्रयोग के बारे में एक रूपता लाने पर विचार किया जायेगा ।

Suicide cases in Delhi

777. SHRI GOPALARAO RAO: Will the Minister of HOME

AFFAIRS be pleased to state:

(a) the total number of suicide cases registered in Delhi since 1985 to 20th October, 1988, yearwise, and the action taken thereon; and

(b) the total number of dowry death cases registered in Delhi since 1985 to 30th October, 1988, yearwise and the action taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM: (a) Total number of suicide death cases reported in Delhi during the years 1985, 1986, 1987 and L988 (upto 31.10.1988) are as under:

1985	607
1986	638
1987	501
1988	492

(upto 31.10.1988).

In all the cases inquest proceedings under Cr. P.C. were done.

(b) Total number of dowry death .cases registered during the years 1985, 1966, 1987, and 1988 (upto 31.10.1988) are as under:

1985	43
1986	64
1987	79
1988	83

(upto 31.10.1988).

Action in accordance with law is taken in all such cases.

Raising of foreign currency loans by IDBI

778. SHRI YALLA SESI BHU-SHANA RAO: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Industrial Development Bank of India raised foreign loans to the tune of nearly 1,000 million dollars to meet the private sector's import requirements;

(b) whether it is also a fact that there are no takers and it is sitting on a mountain of 980 million dollars;

(c) whether it is also a fact that industry has been depending more on free foreign exchange facilities for capital goods import than on Industrial Development Bank of India; and

(d) whether it is also a fact that the IDBI (Industrial Development Bank of India) did not find borrowers on account of the irrationalistic attitude of the Central Board of Direct Taxes?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FA-LEIRO): (a) to (c) Since 1982, Industrial Development Bank of India has contracted foreign currency loans equivalent to US $ 1126 million out of which an amount of $ 941 milion has been drawn till 30th September, 1988. More than $ 550 million has been disbursed till 30th September, 1988. It is not correct to say that there are no takers for foreign currency loans or industry has been depending more on free foreign exchange resources.

(d) No, Sir.

Income- Tax on State-owned Corporations

779. SHRI YALLA SESI BHU-SHANA RAO: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that income-tax is being levied on the two Andhra Pradesh State-owned Corporations, viz, Civil Supplies Corporation and the Essential Commodities Corporation;

(b) whether income-tax is being levied on State-owned Corporations of other States too;